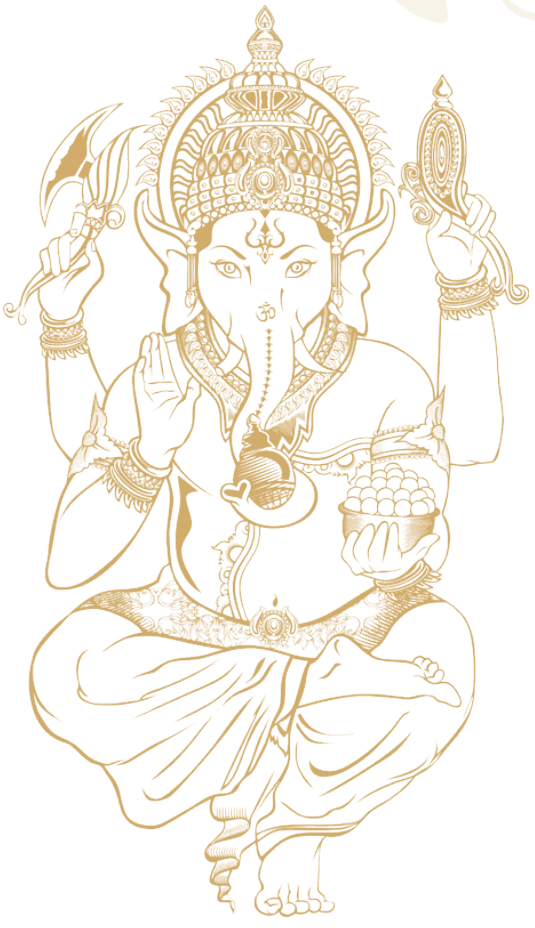

Prachi Sharma

18 Jun 1990

11:48 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017 **Order No: 121896601**

तिथि 18/06/1990 **समय** 11:48:00 **वार** सोमवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:43:38
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	05:11:47 घं
वेलान्तर	00:00:59 घं
सूर्योदय	05:23:19 घं
सूर्यास्त	19:21:01 घं
चैत्रादि संवत	2047
शक संवत	1912
मास	आषाढ़
पक्ष	कृष्ण
तिथि	10
नक्षत्र	रेवती
योग	शोभन
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चित्रलता
पाया(रा.-न.)	लौह-स्वर्ण
होरा	बुध
चौघड़िया	रोग

विंशोत्तरी

बुध 0वर्ष 0मा 5दि

चन्द्र

24/06/2023
24/06/2033

चन्द्र	23/04/2024
मंगल	22/11/2024
राहु	24/05/2026
गुरु	23/09/2027
शनि	24/04/2029
बुध	23/09/2030
केतु	24/04/2031
शुक्र	23/12/2032
सूर्य	24/06/2033

योगिनी

उल्का 0वर्ष 0मा 2दि

उल्का

20/06/2020
20/06/2026

उल्का	20/06/2021
सिद्धा	20/08/2022
संकटा	20/12/2023
मंगला	19/02/2024
पिंगला	20/06/2024
धान्या	19/12/2024
भ्रामरी	20/08/2025
भद्रिका	20/06/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			25:39:54	सिंह	पू०फाल्गुनी	4	शुक्र	बुध	---	0:00			
सूर्य			03:02:25	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	शुक्र	सम राशि	2.09	ज्ञाति	पितृ	साधक
चंद्र			29:59:15	मीन	रेवती	4	बुध	शनि	सम राशि	1.17	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल			19:17:44	मीन	रेवती	1	बुध	केतु	मित्र राशि	1.24	मातृ	भ्रातृ	जन्म
बुध			16:52:35	वृष	रोहिणी	3	चंद्र	शनि	मित्र राशि	1.20	पुत्र	ज्ञाति	प्रत्यारि
गुरु			22:45:46	मिथु	पुनर्वसु	1	गुरु	शनि	शत्रु राशि	1.22	भ्रातृ	धन	मित्र
शुक्र			28:18:09	मेष	कृतिका	1	सूर्य	चंद्र	सम राशि	1.22	अमात्य	कलत्र	क्षेम
शनि	व		00:08:20	मक	उत्तराषाढ़ा	2	सूर्य	राहु	स्वराशि	1.51	कलत्र	आयु	क्षेम
राहु	व		14:20:34	मक	श्रवण	2	चंद्र	गुरु	मित्र राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु	व		14:20:34	कर्क	पुष्य	4	शनि	राहु	मित्र राशि		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

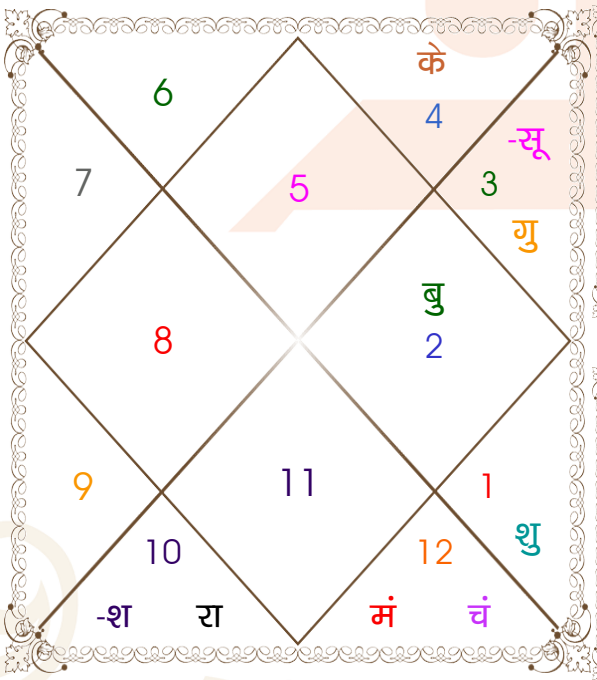

चन्द्र कुंडली

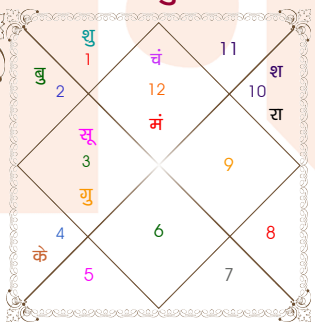

नवमांश कुंडली

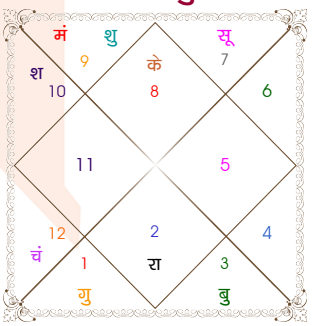

सर्वाष्टकवर्ग

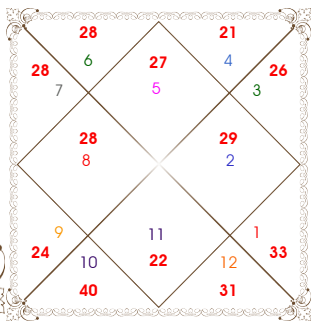

दशमांश कुंडली

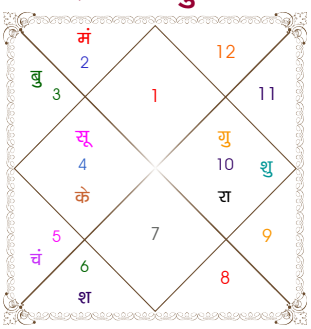

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा उनमें आपको वांछित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय उत्तम रहेगी तथा परिवारिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही सामाजिक प्रतिष्ठा एवं यश भी अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इस वर्ष में शत्रु एवं विरोधी पक्ष का दमन करने में आप समर्थ होंगे इसके दौरान आपकी- विपक्षी आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। संतति पक्ष से भी आप इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की प्राप्ति की भी सम्भावना रहेगी। इसके अतिरिक्त दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं सभी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आप आशातीत उन्नति करेंगे तथा इच्छित लाभ की भी आपको प्राप्ति होगी। साथ ही व्यापार में विस्तार या नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ कर सकते हैं। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होगा। तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त राजनैतिक महत्व के लोगों तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी। साथ ही मानसिक रूप से भी समय समय पर अशान्ति तथा व्याकुलता बनी रहेगी । इस वर्ष में शत्रुपक्ष से आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे परन्तु आप भी दृढ़ता पूर्वक उनका सामना करेंगी तथा अन्ततः उन्हें पराजित करने में समर्थ रहेंगी पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा इसमें अशान्ति तथा कलह का वातावरण रहेगा । पति से भी आपके संबंध इस समय मध्यम ही रहेंगे तथा यदा कदा तनाव उत्पन्न होने के कारण दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। मित्र या संबंधियों आदि से भी आपके संबंध सामान्य रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। इस समय आपके रूके हुए कार्य तथा मन में सोचे हुए संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे। साथ ही आर्थिक स्थिति भी मध्यम रहेगी तथा यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई परेशानी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए वर्ष परिश्रम एवं संघर्ष पूर्ण रहेगा तथा अत्यंत ही परिश्रम के बाद इसमें सफलता अर्जित होगी। नौकरी या राजनीति में भी इस समय पदोन्नति में विलम्ब तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके संबंध विशेष अच्छे नही रहेंगे अतः इनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा । सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी इस समय न्यूनता ही रहेगी तथा सुखोपभोग में भी अल्पता होगी। अतः शुभ फलों की प्राप्ति के लिए संघर्ष एवं परिश्रम के मार्ग पर अग्रसर रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्यशाली रहेगा। इस समय आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा एवं अपने समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी । अपने बन्धु एवं मित्रों के प्रति इस समय आपके मन में पूर्ण सद्भावना तथा स्नेह का भाव रहेगा तथा यत्नपूर्वक आप उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी तथा वे भी आपको अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे।इस समय सत्कार्यो को करने के लिए आपकी रूचि रहेगी तथा इन्हें करने के लिए आप यत्नशील रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा समयानुकूल देवताओं एवं ब्राहमणों की आप सेवा करेंगी। इस वर्ष आपको किसी नवीन स्थान की प्राप्ति होगी या आवास संबधी परिवर्तन होगा। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप इस वर्ष वांछित उन्नति करेंगी। नौकरी या राजनीति में आपको इस समय किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में भी आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा इस वर्ष में किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी आशाएं तथा संकल्प पूर्ण होंगे तथा सर्वत्र प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि होंगी तथा अपने क्षेत्र में वे इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। अतः आपके लिए यह वर्ष शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए सामान्य रहेगा तथा यदा कदा शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की भी अनुभूति करेंगी परन्तु इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। साथ ही मानसिक रूप से भी आपके मन में शान्ति तथा सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय धैर्यपूर्वक आपके कार्यकलाप सम्पन्न होंगे तथा इनसे आपको अपेक्षित सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। शत्रुवर्ग से आपको इस समय परेशानियां रहेंगी परन्तु उनका समाधान तथा सामना करने में आप सफल रहेंगी। फलतः समस्याओं में अल्पता रहेगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष सामान्यतया शुभ रहेगा तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होती रहेगी परन्तु यदा कदा व्यय भी अधिक मात्रा में होगा परन्तु आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस समय आपके रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे साथ ही मानसिक संकल्पों में भी अल्प मात्रा में सफलताएं प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष सामान्यतया शुभ ही रहेगा। इस समय आपको अत्याधिक परिश्रम एवं पराक्रम से ही सफलता प्राप्त होंगी साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में विलम्ब या समस्याएं आएंगी परन्तु अन्त में आप अवश्य सुख प्राप्त करेंगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति करेंगी तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय विशिष्ट व्यक्तियों से भी आपके सम्पर्क रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा।इसके साथ ही किसी विशिष्ट लाभ के भी योग बनेंगे। अतः शुभ कार्यो में सफलता के लिए यत्नशील रहें।

प्रथम मास
18/06/2026 17:15:29 से 20/07/2026 04:06:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	अनुराधा	06:34:12
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	03:02:25
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	20:05:02
मंगल		मेष	कृतिका	28:21:04
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	27:20:47
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	03:18:04
शुक्र		कर्क	पुष्य	11:37:32
शनि		मीन	रेवती	19:18:04
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	07:41:42
केतु	व	सिंह	मघा	07:41:42
मुंथा		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:39:54

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

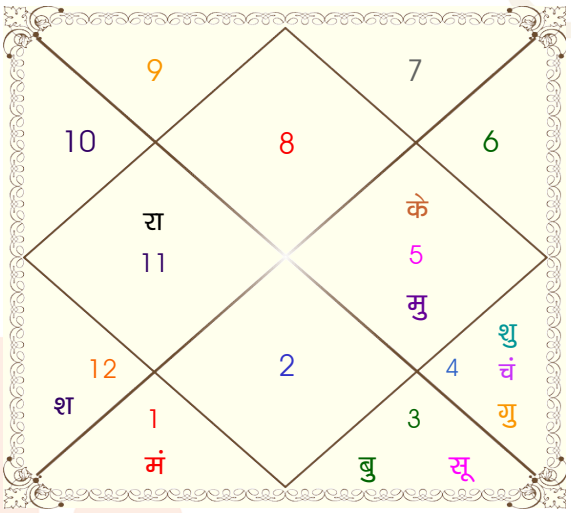

इस मास आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेगा। मित्र एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगी एवं यत्न पूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इनका सम्मान एवं पूजन विधिपूर्वक सम्पन्न करेंगी। सामाजिक जनों से भी आप प्रतिष्ठा एवं अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप विविध आय स्त्रोतों से धनार्जन करेंगी तथा नवीन स्थान या आवास की भी प्राप्ति कर सकेंगी। साथ ही पिछले महीने की असफल आशाएं भी आपकी पूर्ण होगी। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास
20/07/2026 04:06:02 से 20/08/2026 11:49:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	12:41:39
सूर्य		कर्क	पुनर्वसु	03:02:25
चन्द्र		कन्या	हस्त	15:20:15
मंगल		वृष	रोहिणी	20:36:15
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	22:48:17
गुरु		कर्क	पुष्य	10:03:46
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	17:00:46
शनि		मीन	रेवती	20:28:45
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	06:02:03
केतु		सिंह	मघा	06:02:03
मुंथा		सिंह	उ०फाल्गुनी	28:09:54

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

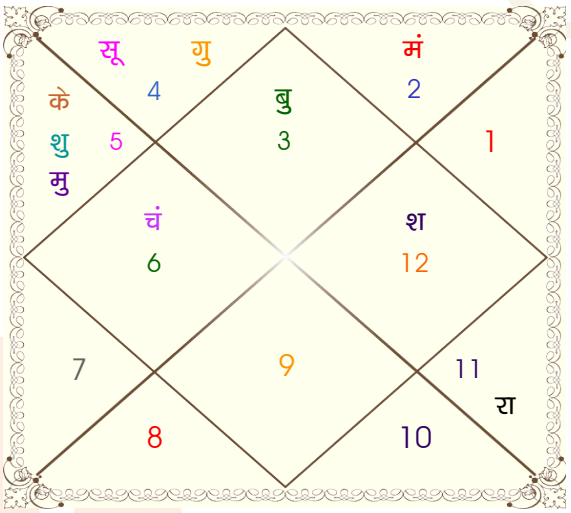

इस मास में आप उत्तम फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा अपने पराक्रम एवं प्रभाव से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगी। इस समय समाज में आपके यश एवं सम्मान में आशातीत वृद्धि होगी जिससे आप मानसिक रूप से अत्यंत ही प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा एवं पूजन का भाव उत्पन्न होगा तथा अन्य जनों की भलाई के लिए भी कार्य करने के लिए तत्पर रहेंगी ।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं उच्चाधिकारी वर्ग का आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। समाज, मित्र तथा बन्धु वर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा भाइयों से भी आप अनकूल सहयोग एवं सहायता प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप समर्थ रहेंगी।

साथ ही इस मास में अन्यत्र भी शुभ फलों में वृद्धि होगी जिसके प्रभाव से आपके शरीर में स्वस्थता, मन में संतोष तथा बुद्धि में वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ होगा एवं प्रसन्नतापूर्वक आप इसे व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास
20/08/2026 11:49:19 से 20/09/2026 10:37:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	19:49:56
सूर्य		सिंह	मघा	03:02:25
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	04:40:46
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	11:37:14
बुध		कर्क	आश्लेषा	25:19:48
गुरु		कर्क	आश्लेषा	16:57:42
शुक्र		कन्या	हस्त	18:48:25
शनि	व	मीन	रेवती	20:01:03
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:54
केतु	व	सिंह	मघा	05:35:54
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	00:39:54

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

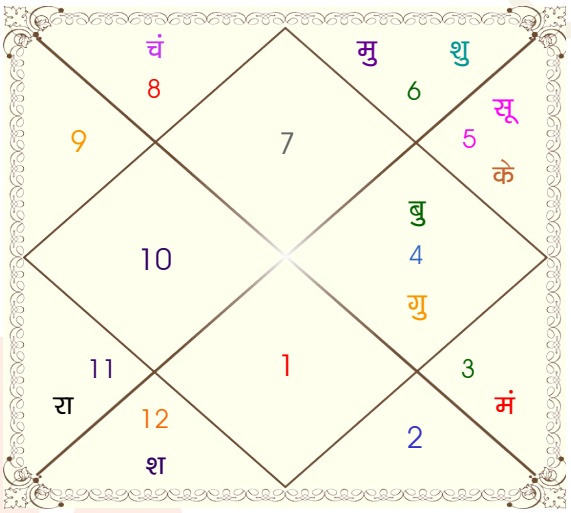

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी अर्थात शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के सम्पर्क में आएंगी जिससे आप धन हानि की संभावना रहेगी। शारीरिक रूप से भी आप पूर्ण स्वस्थ नहीं रहेंगी तथा निर्बलता की अनुभूति करेंगी। अपने महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आप पूर्ण परिश्रम करेंगी फिर भी अल्प मात्रा में ही आपको सफलता मिलेगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा का ही भाव रहेगा साथ ही अन्य प्रकार से भी आपके धन हानि के योग बनेंगे। अपने मित्रों एवं सम्बन्धियों से आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा जिससे परस्पर उचित सहयोग प्राप्त करने में आप असमर्थ रहेंगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में इस समय विध्न बाधाएं प्राप्त करेंगी तथा शत्रु पक्ष से भी नित्य भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके द्वारा किए गए अधिकांश कार्य इस मास अपूर्ण ही रहेंगे।

परन्तु इस समय अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी जिससे धन लाभ भी अनूकूल होगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप सुखार्जन कर सकेंगी तथा समाज में कीर्ति प्राप्त करेंगी।

चतुर्थ मास
20/09/2026 10:37:54 से 20/10/2026 21:20:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	विशाखा	00:35:57
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:02:25
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	17:44:51
मंगल		कर्क	पुनर्वसु	01:03:32
बुध		कन्या	हस्त	21:04:00
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:21:05
शुक्र		तुला	स्वाति	11:13:54
शनि	व	मीन	रेवती	18:10:23
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:17:30
केतु		सिंह	मघा	05:17:30
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:09:54

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

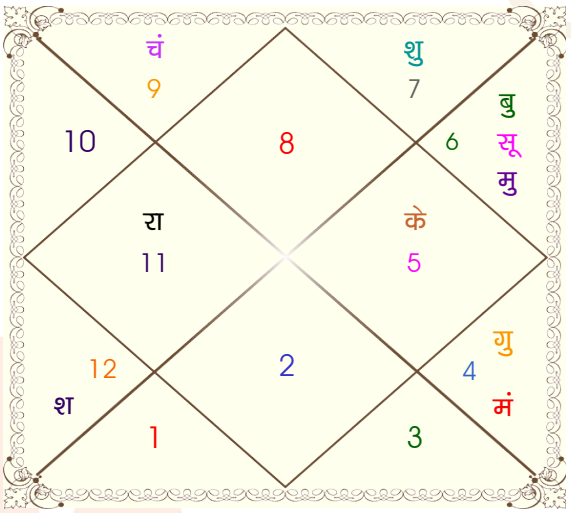

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलप्रद रहेगा। इस समय सौभाग्य से आप युक्त रहेंगी एवं पति से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। साथ ही पुरूष वर्ग से भी आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय उचित लाभ प्राप्त करने में आप समर्थ सिद्ध होंगी। इस मास में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं किसी भी प्रकार से शारीरिक कष्ट नहीं होगा। ज्ञान प्राप्त करने के लए भी आप उत्सुक रहेंगी तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख आपको प्राप्त होता रहेगा। साथ ही अन्य वांछित द्रव्यों की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इसके अलावा आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सम्पन्न हो सकते हैं। इससे आप हार्दिक व मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग भी अर्जित करेंगी। इस समय आपकी बुद्ध में निर्मलता आएगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होगा। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में निष्ठा का भाव उत्पन्न होगा। इस प्रकार आप सुखपूर्वक रहेंगी तथा समाज में ख्याति भी अर्जित करेंगी।

पंचम् मास
20/10/2026 21:20:19 से 19/11/2026 20:05:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	03:34:15
सूर्य		तुला	चित्रा	03:02:25
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	25:01:26
मंगल		कर्क	आश्लेषा	18:29:00
बुध		तुला	विशाखा	25:56:38
गुरु		कर्क	आश्लेषा	28:34:13
शुक्र	व	तुला	स्वाति	08:37:24
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:49:42
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	03:49:09
केतु		सिंह	मघा	03:49:09
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	05:39:54

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

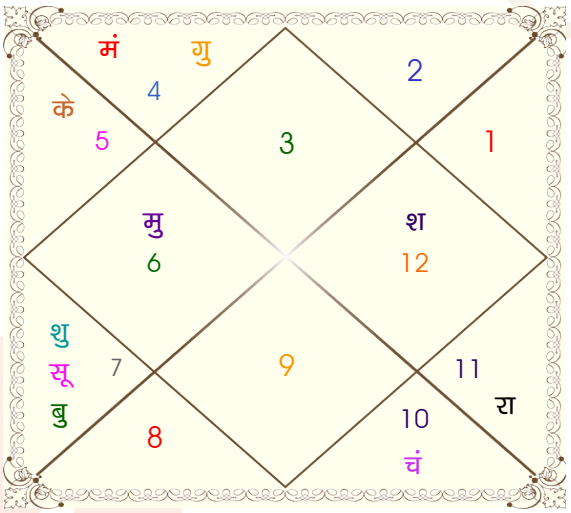

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में अर्जित करेंगी। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप पीड़ित रहेगी। साथ ही शत्रु वर्ग भी इस समय प्रबल रहेगा जिससे समय समय पर आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेगी। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी। पारिवारिक जनों से भी आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा तनाव बना रहेगा। साथ ही व्यापार एवं कार्य क्षेत्र में भी हानि या मंदी भी आ सकती है। इस मास आपके स्थान परिर्वतन होने की भी संभावना रहेगी। सामाजिक जनों से भी आपके मधुर संबध नही रहेंगे एवं उनसे अनबन रहेगी फलतः समाज में सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न बीमारियों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी कारण रक्त विकार भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त इस समय आपको अग्नि के द्वारा भी धन हानि हो सकती है। अतः इस मास में सोच समझकर सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

19/11/2026 20:05:18 से 19/12/2026 10:07:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:19:57
सूर्य		वृश्चिक	विशाखा	03:02:25
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:26:03
मंगल		सिंह	मघा	03:07:05
बुध		तुला	स्वाति	13:38:53
गुरु		सिंह	मघा	01:54:50
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:14:15
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:06:14
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:52:38
केतु	व	सिंह	मघा	00:52:38
मुंथा		कन्या	उ०फाल्गुनी	08:09:54

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

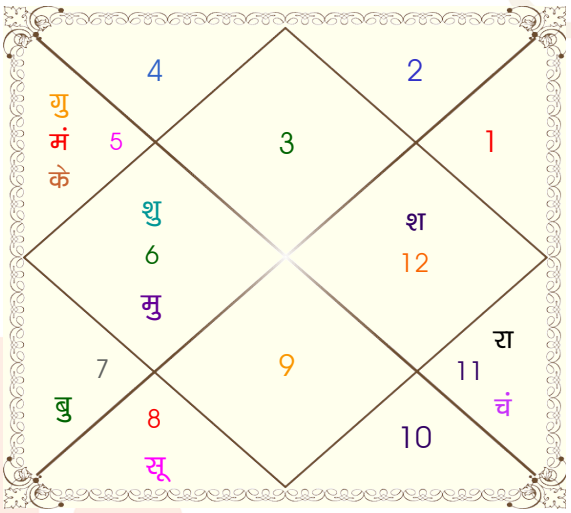

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे अतः वे भी आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से भी परेशान रहेंगी। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्यो में मन्दी आ सकती है जिससे आर्थिक रूप से भी परेशानी होगी। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द या परिर्वतन भी हो सकता है। समाज में दूसरे लोगों से आपके विवाद आदि भी होते रहेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना होगी तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न होगा।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इनकी ओर से पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र तथा वस्तुएं भी प्राप्त कर सकती हैं। अतः यह मास आपके लिए सामान्य ही रहेगा।

सप्तम् मास
19/12/2026 10:07:17 से 17/01/2027 20:49:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	17:56:12
सूर्य		धनु	मूल	03:02:25
चन्द्र		मीन	रेवती	26:40:52
मंगल		सिंह	मघा	13:19:52
बुध		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:29:12
गुरु	व	सिंह	मघा	02:43:34
शुक्र		तुला	स्वाति	17:10:26
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:45:23
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:57:03
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:57:03
मुंथा		कन्या	हस्त	10:39:54

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

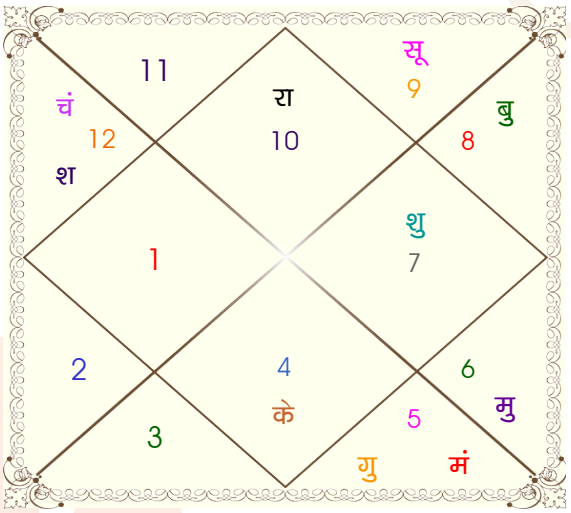

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप किसी सम्मानित पद को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा सरकार या अधिकारी वर्ग से भी लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय सम्बन्धी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा दूर समीप की लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस प्रकार इस समय आपकी सर्वत्र यश तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं उनमें लाभ अर्जित करके सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी असीम श्रद्धा रहेगी। इस प्रकार इस महीने को आप अत्यंत ही सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी।

अष्टम् मास
17/01/2027 20:49:05 से 16/02/2027 10:21:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	12:46:50
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:02:25
चन्द्र		मेष	भरणी	25:33:37
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:51:53
बुध		मकर	श्रवण	13:08:41
गुरु	व	सिंह	मघा	00:48:21
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	16:44:00
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:57:15
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:31:10
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:31:10
मुंथा		कन्या	हस्त	13:09:54

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

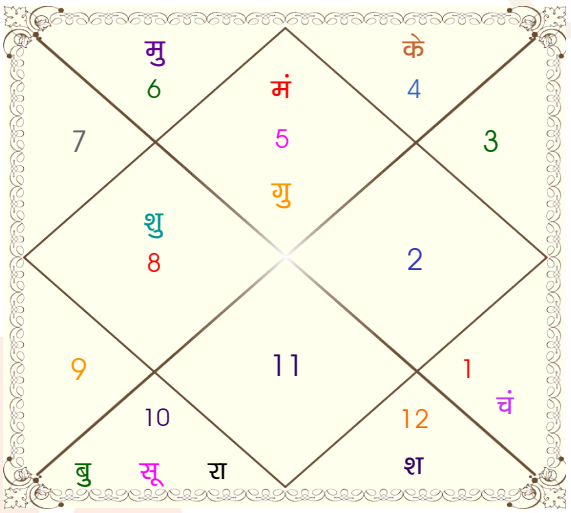

इस मास में आप अपने उत्साह से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में सफल रहेंगी। सामाजिक जनों के मध्य इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही पारिवारिक लोगों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे उचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा।उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करेंगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होते रहेंगे। इस समय आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी अधिक रूचि रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस मास में शत्रुपक्ष आपसे पराजित, भयभीत तथा चिन्तित रहेगा तथा व्यापार एवं अन्य कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल सिद्ध होंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन भी सुखी तथा शान्त रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र का पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या स्वर्णादि के आभूषणों को भी अर्जित करने में सफल हो सकती हैं। अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा।

नवम् मास
16/02/2027 10:21:28 से 18/03/2027 08:15:39 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	11:38:39
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	03:02:25
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	27:28:10
मंगल	व	सिंह	मघा	07:54:01
बुध	व	कुम्भ	शतभिषा	08:13:52
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	27:06:56
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:21:24
शनि		मीन	रेवती	17:27:32
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:16:59
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:16:59
मुंथा		कन्या	हस्त	15:39:54

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

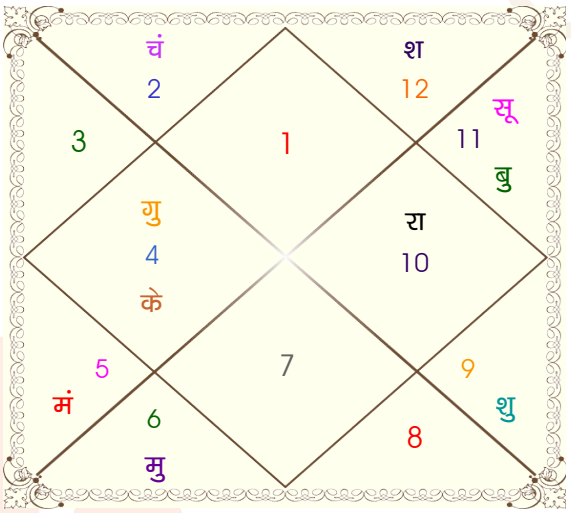

इस मास में आप अशुभ फल शुभ फलों की अपेक्षा अधिक अर्जित करेंगी जिससे आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आप अनावश्यक कष्ट भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है। अतः सतर्क रहना श्रेयस्कर रहेगा। इस समय आपको उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए तथा किसी भी प्रकार से उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दण्डित हो सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक रूप से परेशान रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे विशेष सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगी तथा आपकी आशाएं भी कम ही पूर्ण होगी। अतः धैर्यपूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धि के कौशल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में आप यश प्राप्त करने में भी समर्थ हो सकेंगी।

दशम् मास
18/03/2027 08:15:39 से 17/04/2027 18:00:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	अश्विनी	09:05:22
सूर्य		मीन	पू०भाद्रपद	03:02:25
चन्द्र		कर्क	पुष्य	05:12:50
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	28:00:57
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	05:26:38
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:48:16
शुक्र		मकर	धनिष्ठा	25:52:05
शनि		मीन	रेवती	20:51:14
राहु		मकर	धनिष्ठा	25:48:52
केतु		कर्क	आश्लेषा	25:48:52
मुंथा		कन्या	हस्त	18:09:54

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

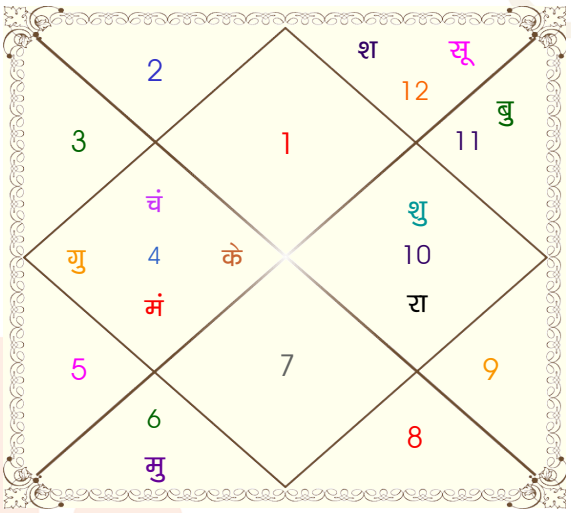

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेंगे। परन्तु अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा एवं आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है जिससे आपको सतर्क रहना चाहिए। आपको इस समय अपने उच्चाधिकारियों की आज्ञा का नम्रता पूर्वक पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा करने पर वे आपको दण्डित भी कर सकते है। आप के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक प्राप्त होगी। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ सकता है। इस मास में बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति या पुरूष वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा आप धनार्जन करेंगी एवं मध्यम रूप से सुखार्जन करने में भी सफल रहेंगी। अतः सावधानी एवं शान्ति पूर्वक अपने इस मास को व्यतीत करें।

एकादश मास
17/04/2027 18:00:54 से 18/05/2027 16:02:28 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	23:39:11
सूर्य		मेष	अश्विनी	03:02:25
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:39:48
मंगल		कर्क	आश्लेषा	28:08:14
बुध		मीन	रेवती	21:01:41
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:47:05
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	02:33:25
शनि		मीन	रेवती	24:39:38
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	23:55:40
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	23:55:40
मुंथा		कन्या	हस्त	20:39:54

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

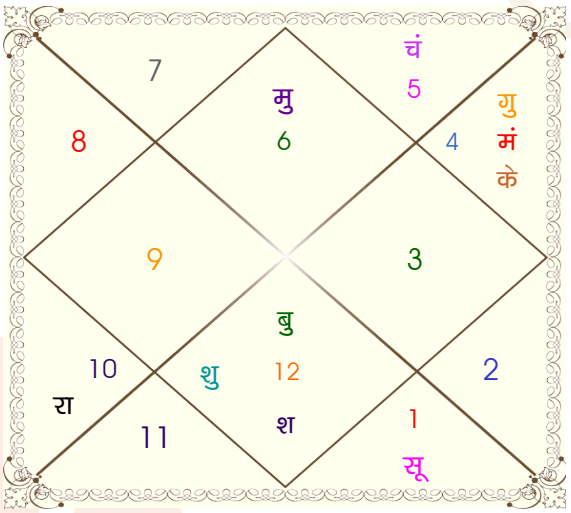

इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मन से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। साथ ही आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित,चिन्तित तथा भयभीत करने में सफल रहेंगी। इस मास में आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को बल प्रदान करेंगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य सम्पन्न होंगे तथा आपके रूके हुए कार्य भी बनेंगे। साथ ही अपने मित्र एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता होगी इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको इछित लाभ तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी होंगे। अतः आप शीत से उत्पन्न होने वाले रोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। इस समय आप आग के द्वारा भी न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकती हैं। अतः सावधानी पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

18/05/2027 16:02:28 से 18/06/2027 23:22:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	24:24:32
सूर्य		वृष	कृतिका	03:02:25
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:01:42
मंगल		सिंह	मघा	07:12:41
बुध		वृष	रोहिणी	22:43:47
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:36:07
शुक्र		मेष	अश्विनी	10:05:21
शनि		मीन	रेवती	28:21:49
राहु	व	मकर	श्रवण	20:43:04
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	20:43:04
मुंथा		कन्या	हस्त	23:09:54

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

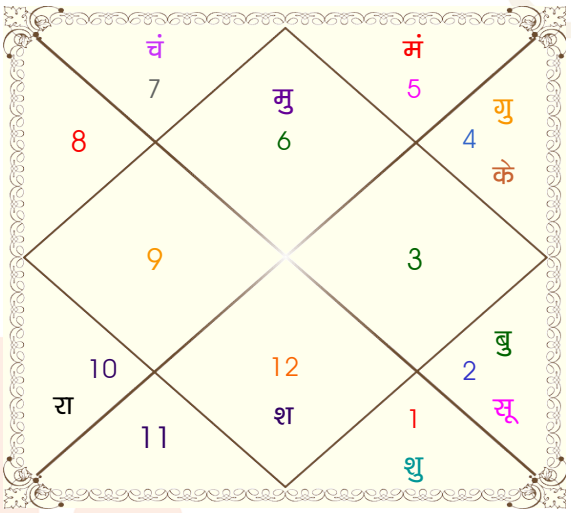

इस मास में आप सुख तथा शान्ति प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आपके शत्रु आपसे पराजित, चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोंतो में भी वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में आप सफलता प्राप्त करेंगी। फलतः इस समय आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोंतो से भी आप लाभार्जित करने में सफल रहेंगी। आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी मास में सम्पन्न होंगे तथा विलम्बित महत्वपूर्ण कार्यो में भी सफलता मिलेगी। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। अपने सांसारिक कार्यो को भी आप सफल बनाने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको वांछित सहयोग तथा सम्मान प्रदान करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों को प्राप्त करने में भी सफल हो सकती है। इस प्रकार आप सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगी।